



Date.....1.....

Lesson - 1

मनोविज्ञान क्या है?

- मनोविज्ञान की उत्तरिति : द्वी गतिक शब्द

साइके

लॉगोस

(आत्मा या मन)

(अध्ययन)

- मनोविज्ञान का अर्थ : मनोविज्ञान एक ऐसा विज्ञान है जो प्राणी के व्यवहार तथा मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है।

- मनोविज्ञान का विकास : मनोविज्ञान एक नवीन विषय है इसका इतिहास लगभग 130 वर्ष पुराना है।

- पहली प्रयोगशाला : भर्मन के लिपिंग विश्वविद्यालय में

- वर्तमान समय में मनोविज्ञान की स्वीकृत परिभाषा :



- मनोविज्ञान : आत्मा के विकान के रूप में।
- मनोविज्ञान : मन के विकान के रूप में।
- मनोविज्ञान : चेतना के विकान के रूप में।
- मनोविज्ञान : व्यवहार के विकान के रूप में।

- आपचारिक रूप से मनोविज्ञान किन-2 चीजों का अध्ययन करता है : मनोविज्ञान को मानसिक प्रक्रियाओं अनुभवों से विभिन्न सदमा में व्यवहारों का अध्ययन करने वाले विज्ञान के रूप में परिभाषित किया जाता है।



Date..... 2.....

- मानसिक प्रक्रियाएँ : वात की जानने या उसका समरण करने के लिए चिंतन करना अथवा समस्या का समाधान करना ।
- अनुभव : अनुभव स्वभाव से जात्मपरक होते हैं, किसी भी वस्तु या कार्य के बारे में जाना। जान प्राप्ति ही अनुभव है।
- व्यवहार : व्यवहार वातावरण में स्थित उद्दीपक के प्रति प्राप्ति की अनुक्रियाएँ हैं।
- व्यवहार के तकार :
 - 1) प्रकट
 - 2) अप्रकट
- मनोविज्ञान का विकास :
- प्रथम स्थीरगताला : विलहम बुप्ट (1879) जर्मन, लिपजिंग हुप्ट सचेतन अनुभव के अध्ययन में रखी ली रही थी और मन के अवयवों अथवा निर्माण की शक्तियों को विश्लेषण करना चाहते थे।
- बुप्ट के समय में मनोविज्ञान अतिरिक्त द्वारा मन की संरचना का विश्लेषण कर रही थी इसलिए उन्हें संरचनावादी कहा गया।
- विविध जैसस : कैम्ब्रिज में प्रथीरगताला → कॉट्टेज मानव मन के अध्ययन के लिए प्रकार्यवादी उपाग्रह का विकास किया।



Date..... 3.....

- वीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में स्कूल नयी धारा जर्मनी में ग्रैस्टालटे मनोविज्ञान के रूप में बुद्धि के संरचनावाद के विरुद्ध आई।
- व्यवहारवाद : संरचनावाद के विरुद्ध धारा ।
- जॉनवाट्सन (1910) : मन स्वं चेतना के विचार की मनोविज्ञान के केंद्रीय विषय के रूप में अस्वीकार कर दिया। इवान पावल्व के ताचीन अनुबंधन बाले कार्य से बहुत प्रभावित हुए।
- प्रसिद्ध व्यवहारवादी मनोवैज्ञानिक : स्टिकनर
- सिंगमंड स्ट्रायट : मनोविश्लेषण मनोवैज्ञानिक इ-टीन मानव व्यवहार की अचेतन इंचार्जों स्वं इच्छा का गतिशील प्रदर्शन बताया।
- काल रोजर्स तथा अन्नाहम मैस्लो : मानवतावादी मानव की स्वतंत्र कामानाओं तथा उनके विकासित होने की उद्दम लालसाओं स्वं अपने आंतरिक विभवों के मुखरित होने की इंचार्जों पर अधिक बल दिया।
- ग्रैस्टाल उपागम के विविध पक्ष तथा संरचनावाद के पक्ष संयुक्त होकर संज्ञानात्मक परिदृश्य का विकास करते हैं।



संस्कार, ज्ञान हीने की प्रक्रिया होता है। इसमें चिंतन, समझ, प्रत्यक्षण, स्मरण करना समस्या समाधान तथा अन्य अनेक मानसिक प्रक्रियाएँ आती हैं।

- पियांजे : बाल विकास के विषय में पियांजे के सिद्धांत को मानव मन के विकास का निर्मित प्रक्रिया सिद्धांत कहा जाता है। इनका मानना या कि बच्चे अपने मन का निर्माण सक्रिय रूप से करते हैं।

भारत में मनोविज्ञान का विकास

- प्रथम प्रयोगशाला : कलकत्ता (1915)
- प्रोफेसर जी. बौस : इडियन साइकोस्नैलिटिकल सोसायिटी में (1922) इन्होंने भारत में मनोविज्ञान के आंतरिक विकास को प्रभावित किया।
- दुर्गानन्द सिंह की पुस्तक : साइकोलाजी इन स्थ घट कन्फ़ि : इडियन सक्सपीरियन्स (1986)

* आधुनिक मनोविज्ञान का विकास में कुछ रौचक घटनाएँ :

1879 → विलहम बुड ने लिपिज्ञा जर्मन में प्रथम मनोविज्ञान प्रयोगशाला को स्थापित किया।

1890 → विलियम जॉर्ज ने प्रिंसिपल ऑफ साइकोलाजी प्रकाशित की।

1900 → सिंगमंड क्रायड ने मनोविज्ञान का विकास किया।



Date..... 5.....

1905 → बीने एवं साइमन द्वारा बुद्धि परीक्षण का विकास ।

1912 → जर्मन में ग्रैस्टाल्ट मनोविज्ञान का उदय हुआ ।

1924 → जॉन् बी वाट्सन ने व्यवहारबाद त्रुस्तक लिखी निससे व्यवहारबाद की नीति पढ़ी ।

1951 → मानवबादी मनोविज्ञानिक कार्ल रॉजर्स ने रॉगी-कैट्टिट के लिए चिकित्सा प्रकाशित की ।

1954 → मानवतावादी मनोविज्ञानिक अब्राहम मैस्ली ने मॉटिवेशन स्टडी परिवर्तनीलकी, प्रकाशित की ।

1954 → इलाहाबाद में मनोविज्ञानशाला की स्थापना ।

1955 → बंगलौर में नैशनल कृस्टीट्यूट ऑफ मैटल हैल्ड स्टडी साइसेस की स्थापना ।

1989 → नैशनल अकेडमी ऑफ साइकोलॉजी (NAOP) शिवाकी स्थापना ।

1997 → बुडगांव, दिल्ली में नैशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर (NBRC) की स्थापना ।

मनोविज्ञान की शाखाएँ

1) संकालनात्मक मनोविज्ञान

2) जीविक मनोविज्ञान

3) विकासात्मक मनोविज्ञान

4) सामाजिक मनोविज्ञान ।

5) अतः सांस्कृतिक एवं सांस्कृतिक मनोविज्ञान

6) पर्यावरणी मनोविज्ञान



Date..... 6.....

- 7) स्वास्थ्य मनोविज्ञान
- 8) नेतृत्वानिक संघ उपबोधन मनोविज्ञान
- 9) आधीरिक / संगठनात्मक मनोविज्ञान
- 10) शैक्षिक मनोविज्ञान
- 11) क्रीड़ा मनोविज्ञान ।

* अनुसंधान एवं अनुप्रयोग के कथ्य

- दो प्रकार के कार्य : 1) मनोविज्ञान में अनुसंधान
2) मनोविज्ञान के अनुप्रयोग ।

मनोविज्ञान के अनुसंधान एवं अनुप्रयोग का विवाह प्रदान करने वाले कथ्य ।

कथ्य 1 : अन्य विज्ञानों की मात्रा मनोविज्ञान व्यवहार एवं मानसिक प्रक्रियाओं के सिद्धांतों का विकास करने का प्रयत्न करता है ।

कथ्य 2 : मानव व्यवहार व्यक्तियों एवं वातावरण के लक्षणों का एक प्रकार्य है ।

कथ्य 3 : मानव व्यवहार उत्पन्न किया जाता है ।

कथ्य 4 : मानव व्यवहार की समस्य संस्कृति निर्मित होती है ।

कथ्य 5 : मनोविज्ञानिक सिद्धांतों के अनुप्रयोग इस मानव व्यवहार को नियंत्रित एवं परिवर्तित किया जा सकता है ।



कार्यस्त मनोवैज्ञानिक

- 1) नैदानिक मनोवैज्ञानिक : व्याबहारिक समस्याओं वाले राजियों की सहायता करने की विशेषता रखते हैं। वे अनेक मानसिक व्यक्तिक्रमों तथा दुरिच्छा, भय या कार्यस्थल के दबावों के लिए चिकित्सा प्रदान करते हैं।
- 2) उपबोधन मनोवैज्ञानिक : अधिक प्रश्नात्मक एवं संवेदनात्मक समस्याओं वाले व्यक्तियों के लिए कार्य करते हैं।
- 3) सामुदायिक मनोवैज्ञानिक : प्रायः सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देते हैं।
- 4) विद्यालय मनोवैज्ञानिक : शैक्षिक व्यवस्था में कार्य करते हैं तथा उनकी मूलिका उनके प्रशिक्षण सत्र के अनुसार बदलती रहती है।
- 5) संगठनात्मक मनोवैज्ञानिक : संगठन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मूलिका निर्वहन में आने वाली समस्याओं को समझने में अपनी महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करते हैं।